जून में यूपीआई लेनदेन ने रफ्तार पकड़ी

डिजिटल अर्थव्यवस्था मजबूत, ताजा आंकड़ों के अनुसार महीने भर में 22 .72 अरब यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए

नई दिल्ली, 2 जुलाई. जून 2026 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए लेनदेन ने नया रिकॉर्ड बनाया. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, महीने भर में 22.72 अरब यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए, जबकि प्रतिदिन औसतन 75.7 करोड़ से अधिक डिजिटल भुगतान दर्ज किए गए.

लेनदेन का कुल मूल्य 28.92 लाख करोड़ रुपये रहा, जो भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और कैशलेस भुगतान प्रणाली की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है. भारत में डिजिटल भुगतान का दायरा लगातार बढ़ रहा है और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है. जून 2026 के दौरान यूपीआई ने एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन करते हुए सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून में कुल 22.72 अरब यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए. इसी अवधि में इन लेनदेन का कुल मूल्य 28.92 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है. आंकड़ों के अनुसार, जून महीने में प्रतिदिन औसतन 75.7 करोड़ यूपीआई लेनदेन किए गए.

पिछले दस वर्षों में यूपीआई ने भारत की भुगतान व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है. वित्त वर्ष 2016-17 में जहां यूपीआई के जरिए केवल दो करोड़ लेनदेन हुए थे, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 24,162 करोड़ से अधिक पहुंच गई. मोबाइल आधारित भुगतान प्रणाली ने छोटे व्यापारियों, दुकानदारों, ग्रामीण उपभोक्ताओं और शहरी ग्राहकों के बीच नकदी पर निर्भरता को काफी हद तक कम किया है. आज किराना दुकानों से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक यूपीआई भुगतान सामान्य प्रक्रिया बन चुका है.

ओडिशा में सबसे बड़ा एफडीआई करार

भुवनेश्वर, 2 जुलाई. ओडिशा ने खनन और धातुकर्म (माइनिंग एवं मेटलर्जी) क्षेत्र में देश के सबसे बड़े प्रत्यक्ष विदेशी निवेश समझौतों में से एक पर हस्ताक्षर किए हैं. इस ऐतिहासिक करार से राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश, रोजगार सृजन और खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार की उम्मीद जताई जा रही है. खनिज संसाधनों से समृद्ध ओडिशा ने औद्योगिक विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. राज्य सरकार ने माइनिंग और मेटलर्जी सेक्टर में देश के सबसे बड़े प्रत्यक्ष विदेशी निवेश समझौतों में से एक पर हस्ताक्षर किए हैं. इस करार को भारत के खनन और धातु उद्योग के लिए ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है, जिससे राज्य की औद्योगिक क्षमता को नई गति मिलने की उम्मीद है.

ईपीएफओ ने पेंशन नियमों में बदलाव किए

नई दिल्ली, 2 जुलाई. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत अपनी तीन पुरानी योजनाओं को नए स्वरूप में लागू कर दिया है. नई कर्मचारी पेंशन योजना -2026 के तहत पेंशन क्लेम का निपटारा 20 दिनों में करने, देरी होने पर 12 प्रतिशत ब्याज देने और डिजिटल अनुपालन को अनिवार्य बनाने जैसे अहम प्रावधान शामिल किए गए हैं.

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने निजी क्षेत्र के करोड़ों कर्मचारियों को राहत देने के उद्देश्य से अपनी तीन प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को अपडेट कर दिया है. श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत कर्मचारी पेंशन योजना - 2026, कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना-2026 और कर्मचारी जमा-लिंक्ड बीमा (ईडीएलआई) योजना-2026 को अधिसूचित किया है. नई व्यवस्था 29 जून, 2026 से प्रभावी हो गई है.

नई कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस)-2026 ने वर्ष 1995 की कर्मचारी पेंशन योजना और वर्ष 1971 की कर्मचारी परिवार पेंशन योजना का स्थान ले लिया है. वहीं, 1952 से लागू कर्मचारी भविष्य निधि योजना को भी नए कानूनी ढांचे के अनुरूप संशोधित किया गया है. सरकार का कहना है कि इन बदलावों का उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, डिजिटल और कर्मचारी हितैषी बनाना है. नई व्यवस्था के तहत सबसे बड़ा बदलाव पेंशन क्लेम के निपटारे की समय-सीमा को लेकर किया गया है. अब ईपीएफओ को पेंशन संबंधी दावों का निपटारा 20 दिनों के भीतर करना होगा.

ईपीएफओ ने डिजिटल गवर्नेंस को भी नई योजनाओं का प्रमुख आधार बनाया है. अब नियोक्ताओं के लिए डिजिटल अनुपालन अनिवार्य होगा, जिससे रिकॉर्ड प्रबंधन, अंशदान जमा करने और क्लेम प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी. इसके अलावा पेंशन फंड के निवेश प्रबंधन, उच्च पेंशन से जुड़े प्रावधानों और सरकारी योगदान पर न्यूनतम रिटर्न जैसी व्यवस्थाओं को भी स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है.

नया स्मार्टफोन नोवा 2 सीरीज लॉन्च

नई दिल्ली, 2 जुलाई. एआई+ स्मार्टफोन ने हाल ही में लॉन्च किए गए नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो की अगली बिक्री का ऐलान किया है. 26 जून को फ्लिपकार्ट पर हुई पहली बिक्री में दोनों स्मार्टफोन का पूरा स्टॉक बिक गया था.

इन स्मार्टफोन्स को 22 जून को आयोजित इंडियाज़ गॉट नोवा कार्यक्रम में पेश किया गया था. यह ब्रांड का प्रमुख लॉन्च इवेंट था, जिसकी मेजबानी जाने-माने गैजेट गुरु राजीव मखनी ने की. इस कार्यक्रम में कॉमेडियन और यूट्यूबर समय रैना तथा एआई+ स्मार्टफोन के सीईओ माधव शेठ भी मौजूद रहे. इसमें एआई+ स्मार्टफोन के ओपन रिव्यू प्रोग्राम के तहत कई जाने-माने टेक क्रिएटर्स, रिव्यूअर्स, मीडिया प्रतिनिधियों और ग्राहकों ने भी हिस्सा लिया. यह पहल पारदर्शिता और ग्राहकों की भागीदारी के साथ प्रोडक्ट तैयार करने की ब्रांड की सोच को मजबूत करती है. ग्राहकों से मिले शानदार रिस्पॉन्स ने नोवा सीरीज़ की सफलता में एक और उपलब्धि जोड़ दी है. नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो की अगली बिक्री 30 जून से दोपहर 12 बजे से फ्लिपकार्ट पर शुरू हो रही है.

रेलवे टिकट बुकिंग सिस्टम पांच गुना तेज

अब एक मिनट में 1.25 लाख टिकट बुक होंगे

एआई से सुरक्षा और ट्रेन मेंटेनेंस होगा बेहतर

नई दिल्ली, 2 जुलाई. भारतीय रेलवे यात्रियों को तेज और बेहतर टिकट बुकिंग सुविधा देने के लिए अपने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम को अपग्रेड कर रहा है. नए सिस्टम के लागू होने के बाद एक मिनट में 1.25 लाख टिकट बुक किए जा सकेंगे, जो मौजूदा क्षमता से पांच गुना अधिक है.

इसके साथ ही रेलवे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से परिचालन और सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत बनाने की तैयारी में है. भारतीय रेलवे जल्द ही अपने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) में बड़ा तकनीकी बदलाव करने जा रहा है. इस अपग्रेड के बाद टिकट बुकिंग की क्षमता में पांच गुना तक वृद्धि होगी और सिस्टम एक मिनट में 1.25 लाख टिकट बुक करने में सक्षम होगा. वर्तमान में रेलवे का रिजर्वेशन सिस्टम प्रति मिनट करीब 25 हजार टिकट ही प्रोसेस कर पाता है, जिसके कारण विशेषकर तत्काल टिकट बुकिंग के दौरान वेबसाइट और मोबाइल एप पर भारी दबाव देखने को मिलता है.

सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम्स ने अपने 41वें स्थापना दिवस के अवसर पर इस नई तकनीकी पहल की जानकारी दी. अधिकारियों के अनुसार, नए सिस्टम से बढ़ती यात्री मांग को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकेगा और भारी ट्रैफिक के समय सर्वर पर पड़ने वाला दबाव भी काफी कम होगा.

रेलवे का मानना है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद यात्रियों को तत्काल टिकट बुकिंग के दौरान बार-बार वेबसाइट या एप के हैंग होने, धीमी गति और तकनीकी बाधाओं जैसी समस्याओं से काफी राहत मिलेगी. इससे टिकट बुकिंग प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज, स्थिर और भरोसेमंद बनेगी. तकनीकी सुधारों के साथ रेलवे अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को भी लगातार मजबूत कर रहा है. पिछले वर्ष लॉन्च किए गए सुपर एप 'रेलवन' को यात्रियों का अच्छा प्रतिसाद मिला है. अधिकारियों के अनुसार, अब तक इस एप को 4.35 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है. इसके माध्यम से प्रतिदिन औसतन 10 लाख डिजिटल ट्रांजैक्शन किए जा रहे हैं.

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का 10 वर्षीय कवर

मुंबई, 2 जुलाई, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट प्लस के तहत 10 वर्ष का लाइफ कवर पेश किया है.

यह योजना उन ग्राहकों के लिए तैयार की गई है, जिनकी निश्चित अवधि की वित्तीय जिम्मेदारियाँ हैं, जैसे होम लोन, बिजनेस लोन और बच्चों की शिक्षा के लक्ष्य. यह उत्पाद ऐसे समय में जीवन बीमा सुरक्षा प्रदान करता है, जब वित्तीय जिम्मेदारियां और आय पर निर्भरता अक्सर सबसे अधिक होती है. कई लोगों के लिए किसी बड़े वित्तीय दायित्व को लेने के बाद का पहला दशक बढ़ी हुई वित्तीय जिम्मेदारियों का दौर होता है.

यह पेशकश खासतौर पर निश्चित अवधि वाले बिजनेस लोन लेने वाले स्व-रोजगार व्यक्तियों, होम लोन लेने वालों और अपने बच्चों की शिक्षा की योजना बना रहे माता-पिता के लिए उपयोगी है. 10 वर्ष के इस लाइफ कवर को इसी महत्वपूर्ण अवधि की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि ग्राहकों को किफायती जीवन बीमा सुरक्षा मिल सके.

कच्चा तेल गिरने से बाजार में आई तेजी

217 अंक पर पहुंचा सेंसेक्स

74 अंक की तेजी पर रहा निफ्टी

मुंबई, 2 जुलाई. कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और आईटी शेयरों में मजबूत खरीदारी के दम पर गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई. शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 217 अंक चढ़कर 77,139 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 74 अंकों की मजबूती के साथ 24,074 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया.

घरेलू शेयर बाजार ने गुरुवार को सकारात्मक शुरुआत की. वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में मजबूत खरीदारी के कारण शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों हरे निशान में खुले. सुबह 9:15 बजे बीएसई सेंसेक्स 217 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,139 पर कारोबार कर रहा था, जबकि एनएसई निफ्टी 74 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,074 के स्तर पर पहुंच गया.

बाजार की शुरुआती तेजी में सबसे बड़ा योगदान आईटी सेक्टर का रहा. निफ्टी आईटी सूचकांक दो प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ सबसे अधिक लाभ में रहने वाला सेक्टर बना.

वेदांता आयरन शेयरों ने चौंकाया निवेशकों को

नई दिल्ली , 2 जुलाई. वेदांता लिमिटेड के डीमर्जर के बाद सूचीबद्ध हुई वेदांता आयरन एंड स्टील ने शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की है. कंपनी के शेयर ने महज 13 ट्रेडिंग सत्रों में 113 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों को चौंका दिया है और लगातार अपर सर्किट लगने से बाजार में इसकी चर्चा तेज हो गई है. उद्योगपति अनिल अग्रवाल की वेदांता समूह की कंपनी वेदांता आयरन एंड स्टील ने शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है.

गूगल वॉलेट में नया पार्सल ट्रैकिंग फीचर

जीमेल की रसीदों से पार्सल अपने आप ट्रैक होंगे

डिलीवरी अपडेट सीधे गूगल वॉलेट में दिखेंगे

नई दिल्ली, 2 जुलाई. गूगल ने अपने गूगल वॉलेट ऐप में एक नया फीचर जोड़ा है, जिसकी मदद से जीमेल में मौजूद खरीदारी की रसीदों के आधार पर पार्सल की ट्रैकिंग अपने आप हो जाएगी और यह जानकारी सीधे गूगल वॉलेट में दिखाई देगी.

गूगल अपने उपयोगकर्ताओं के लिए एक नया फीचर लेकर आया है, जिससे ऑनलाइन खरीदारी का अनुभव और आसान हो जाएगा. अब जीमेल में आने वाले ईमेल और रसीदों के आधार पर पार्सल की ट्रैकिंग सीधे गूगल वॉलेट ऐप में दिखाई देगी. इस सुविधा के बाद उपयोगकर्ताओं को अलग-अलग वेबसाइट या ऐप पर जाकर पार्सल ट्रैक करने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

गूगल ने यह साफ किया है कि इस सुविधा से जीमेल के ईमेल में कोई बदलाव नहीं होगा. ईमेल पहले की तरह सुरक्षित रहेंगे. यह सुविधा केवल उपलब्ध जानकारी का उपयोग करके ट्रैकिंग सेवा प्रदान करेगी. इससे पहले भी गूगल ने गूगल नाउ और गूगल डिस्कवर जैसे प्लेटफॉर्म पर पार्सल ट्रैकिंग की कोशिश की थी, लेकिन अब इसे सीधे गूगल वॉलेट में जोड़कर और आसान बना दिया गया है.

सोना आयात कोटा लाइसेंस की अवधि बढ़ी

नई दिल्ली, 2 जुलाई. भारत सरकार ने भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के तहत सोना आयात करने वाले कारोबारियों को बड़ी राहत देते हुए टैरिफ रेट कोटा लाइसेंस की वैधता 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दी है.

इसके साथ ही सरकार ने गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों के निर्यात कोटे की समीक्षा की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है भारत सरकार ने संयुक्त अरब अमीरात से सोना आयात करने वाले कारोबारियों को महत्वपूर्ण राहत प्रदान की है.

समाचार विशेष

यूपी की राजनीति का केंद्र बना बनारस

बीजेपी का ओबीसी पर दांव, जिले के तीनों प्रमुख पदों पर सौंपी बागडोर

वाराणसी. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले ही बनारस यूपी की राजनीति का हॉटस्पॉट बन चुका है. मिशन 2027 के तहत भाजपा ने उत्तर प्रदेश में अपनी नई टीम तैनात कर दी है. इसमें काशी क्षेत्र और वाराणसी में भी लंबे इंतजार के बाद भाजपा पदाधिकारियों के नाम की घोषणा हो चुकी है.

इन नाम की घोषणा होने के साथ ही बनारस राजनीति का केंद्र बन चुका है. इस बात की गवाही आंकड़े और जातिगत समीकरण दे रहे हैं. राजनीतिक जानकारों की माने तो लंबे वक्त के बाद जिले के तीनों प्रमुख पदों पर भाजपा ने ओबीसी चेहरे को बागडोर दी है. इनमें जिला अध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष और अब काशी क्षेत्र के अध्यक्ष शामिल हैं. इसके साथ ही यह ऐसा शहर बन चुका है, जहां पर कैबिनेट मंत्री से लेकर के संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर यहां के लोग काबिज हैं.

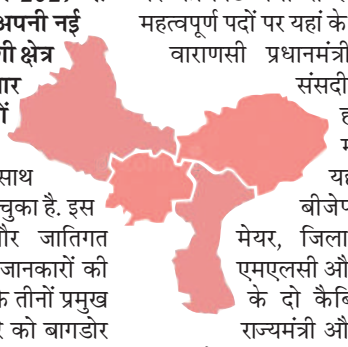

वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है. इसके साथ ही बीजेपी का महत्वपूर्ण केंद्र भी है. यहां के 8 विधायक बीजेपी से जुड़े हुए हैं. मेयर, जिला पंचायत अध्यक्ष, एमएलसी और उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैबिनेट मंत्री और दो राज्यमंत्री और अब प्रदेश भाजपा संगठन के तीन प्रमुख चेहरे भी वाराणसी से हैं.

कोर वोट बैंक बचाने की जुगत में बीजेपी

वाराणसी में बीजेपी के तीन प्रमुख पद काशी क्षेत्र अध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष पद पर अशोक चौरसिया, प्रदीप अग्रहरि और राम सकल पटेल को चुना गया है. तीनों ओबीसी समाज से आते हैं. इन नामों के साथ ही भाजपा ने इस बात को भी स्पष्ट किया है कि इस बार बनारस और काशी क्षेत्र में ओबीसी पॉलिटिक्स पर पूरा फोकस होगा. राजनीतिक विश्लेषक एके लारी की मानें तो बनारस उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है. जहां पर सरकार से लेकर के संगठन तक में बीजेपी काबिज है. यही नहीं नई सूची के साथ बीजेपी ने जिस तरीके से ओबीसी पॉलिटिक्स पर फोकस किया है, वह अपने कोर वोट बैंक को संरक्षित रखने की कोशिश कर रही है.

नवीन बाबू की उत्तराधिकारी हैं सुजाता!

भुवनेश्वर. अगर 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव से पहले बीजू जनता दल के सुप्रीमो और तत्कालीन मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने अपने करीबी आईएएस अधिकारी वीके पांडियन की बजाय उनकी पत्नी सुजाता कार्तिकेयन को आगे किया होता तो शायद भाजपा को यह मुद्दा बनाने का मौका नहीं मिलता कि नवीन बाबू एक तमिल व्यक्ति को अपना उत्तराधिकारी बना रहे हैं और तब शायद नतीजा भी वैसा नहीं आता, जैसा आया है. लेकिन वह समय बीत गया. भाजपा ने इस बात का नैरेटिव बना दिया कि नवीन पटनायक ओड़िया अस्मिता को दांव पर लगा कर एक तमिल व्यक्ति को राज्य का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं. इस मामले से बीजू जनता दल को बड़ा नुकसान हुआ. बाद में पांडियन परदे के पीछे गए और उनकी पत्नी सुजाता राउत कार्तिकेयन आगे आईं.

सुजाता भी आईएएस थीं और नवीन पटनायक सरकार की ओर से महिलाओं के लिए शुरू की गई योजना मिशन शक्ति के पीछे उनका दिमाग था. उन्होंने इस योजना को सफल बनाने के लिए बड़ी मेहनत की थी. उन्होंने भी आईएएस से इस्तीफा दे दिया. अब वे औपचारिक रूप से बीजू जनता दल में शामिल हो गई हैं.

सीट शेयरिंग पर इंडिया गठबंधन में खींचतान

लखनऊ. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में अभी भले ही काफी समय बाकी हो, लेकिन विपक्षी इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर सियासी तनातनी अभी से शुरू होती दिख रही है. कांग्रेस ने संभावित गठबंधन सहयोगी समाजवादी पार्टी पर दबाव बनाते हुए सीटों में बराबरी की हिस्सेदारी की मांग की है.

हाल ही में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी बनाए गए राजेंद्र पाल गौतम ने स्पष्ट तौर पर कहा कि कांग्रेस गठबंधन में बराबरी की भागीदारी चाहती है और पार्टी खुद को सपा से बड़ा राजनीतिक दल मानती है. उनके इस बयान ने सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी है, क्योंकि यूपी में सपा और कांग्रेस के बीच औपचारिक सीट बंटवारे पर अभी बातचीत भी शुरू नहीं हुई है. ऐसे में राजेंद्र गौतम का यह बयान इंडिया गठबंधन के भीतर भविष्य की रणनीति और संभावित सीट शेयरिंग को लेकर नई खींचतान का संकेत माना जा रहा है.

कांग्रेस को बताया बड़ा भाई- सपा के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र गौतम ने कहा की कांग्रेस एक पूराना और बड़ा राष्ट्रीय दल है. इसके नेतृत्व में देश को आजादी मिली थी. भाजपा के साथ मुकाबला करने की ताकत किसी भी क्षेत्रीय दलों में नहीं है. इस बात को स्वीकारना होगा तभी भाजपा को हम सब मिलकर हरा सकते हैं, क्योंकि कांग्रेस विपक्षी दलों का बड़ा भाई है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने पहले क्षेत्र की पार्टीयों के सांसद, विधायकों को तोड़कर अपने दल मे मिलाने का काम किया. फिर उनके सहयोग से क्षेत्रों में चुनाव लड़ा और जीत हासिल की. कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी है, और भारतीय जनता पार्टी को हरा सकती है.

बीएसपी को गठबंधन का दिया संकेत

यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन की अटकलों को लेकर कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र गौतम ने कहा कि भाजपा के खिलाफ बाबा साहेब के संविधान को बचाने के लिए सभी विपक्षी दलों को एकजूट होना चाहिए. उन्होंने कहा कि यूपी 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे और हम हर समाज के लोगों से मिलकर उनका साथ मांगने की अपील करेंगे.

विशेष कहा- जब देश में सिर्फ 2 सीटें थीं, तब 1 तेलंगाना से थी

नितिन नवीन ने बता दिया 2027 का दक्षिण प्लान

हैदराबाद. भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दक्षिण भारत, विशेषकर तेलंगाना में पार्टी के विस्तार को लेकर अपने इरादे साफ कर दिए हैं.

तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद में आयोजित एक भव्य समारोह में शिरकत करते हुए नितिन नवीन ने जिला भाजपा कार्यालय के नए मुख्यालय का उद्घाटन किया. इस दौरान कार्यकर्ताओं के भारी हुजूम को संबोधित करते हुए उन्होंने इतिहास के पन्नों से एक ऐसा ठोस आंकड़ा सामने रखा, जिसने भाजपा को 'उत्तर भारत की पार्टी' या 'बाहरी पार्टी' बताने वाले क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस की बोलती पूरी तरह बंद कर दी. नितिन नवीन ने साफ किया कि तेलंगाना भाजपा के लिए कोई नया प्रयोग नहीं है, बल्कि इस राज्य की मिट्टी से पार्टी का रिश्ता तब से है जब देश की संसद में भाजपा अपने वजूद की सबसे कठिन लड़ाई लड़ रही थी.

शमशाबाद में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने विरोधियों पर राजनीतिक प्रहार करने के लिए साल 1984 के लोकसभा चुनाव के इतिहास का सहारा लिया. उन्होंने कहा, 1984 में, जब पूरे देश में भाजपा के पास सिर्फ दो सांसद थे, तो उनमें से एक सांसद इसी तेलंगाना क्षेत्र से जीतकर आया था. मेरा मानना है कि जो लोग आज राजनीति के तहत यह प्रोपेगैंडा फैलाते हैं कि भाजपा एक 'बाहरी' पार्टी है, उन्हें इतिहास का यह आंकड़ा जरूर देखना चाहिए. पार्टी की शुरुआत से ही, जब हमें पूरे देश में सिर्फ दो सीटें मिली थीं, तब भी उनमें से एक मजबूती से तेलंगाना से जुड़ी थी.

जब नरसिम्हा राव को बीजेपी ने हराया था- नितिन नवीन का इशारा 1984 में हनमकोंडा लोकसभा सीट से भाजपा के चंदूपतला जंगा रेड्डी की ऐतिहासिक जीत की तरफ था, जिन्होंने तत्कालीन कद्दावर नेता पी.वी. नरसिम्हा राव को हराया था. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस बात को रेखांकित किया कि तेलंगाना की धरती पर भाजपा को स्थापित करने के लिए स्थानीय कार्यकर्ताओं ने दशकों तक खून-पसीना बहाया है और हिंसक राजनीतिक विरोध का सामना किया है. उन्होंने मंच से घोषणा की जिस सेवा-भाव और अटूट समर्पण के साथ भाजपा कार्यकर्ता आज जमीन पर डटे हुए हैं, उसे देखते हुए वह दिन दूर नहीं जब आने वाले समय में तेलंगाना के हर गांव, हर गली और हर शहर में भाजपा का 'कमल' पूरी शान से खिलेगा.

क्या है दिल्ली से हैदराबाद तक का नया चक्रव्यूह?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नितिन नवीन का यह दौरा और उनका यह आक्रामक बयान केवल एक कार्यालय के उद्घाटन तक सीमित नहीं है. भाजपा आलाकमान की नजरें तेलंगाना में कांग्रेस सरकार की एंटी-इंकंबेंसी और केसीआर की पार्टी बीआरएस के कमजोर पड़ते जनाधार पर हैं. भाजपा यहां खुद को कांग्रेस के सामने एकमात्र और सबसे मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करना चाहती है. शमशाबाद में नए जिला मुख्यालय की शुरुआत करके भाजपा ने यह संदेश दे दिया है कि वह केवल हैदराबाद की शहरी सीटों तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि रंगारेड्डी जैसे ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में भी अपने पैर पसार चुकी है.